



भारत का राजपत्र The Gazette of India

सी.जी.-डी.एल.-अ.-17072024-255480
CG-DL-E-17072024-255480

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 370]

नई दिल्ली, मंगलवार, जुलाई 16, 2024/आषाढ 25, 1946

No. 370]

NEW DELHI, TUESDAY, JULY 16, 2024/ASHADHA 25, 1946

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 15 जुलाई, 2024

सा.का.नि. 407(अ).— केन्द्रीय मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 212 की उपधारा (1) के अपेक्षानुसार, केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 का और संशोधन करने के लिए, भारत सरकार के सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की अधिसूचना सा.का.नि. संख्यांक 126 (अ) तारीख 22 फरवरी, 2024 द्वारा उन सभी व्यक्तियों से, जिनके उनसे प्रभावित होने की संभावना थी, प्रारूप नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग 2, खंड 3, उपखंड (i) में प्रकाशित किए गए थे, उस तारीख से जिसको उक्त अधिसूचना से युक्त राजपत्र की प्रतियां जनता को उपलब्ध करा दी गई थी, तीस दिन की अवधि के अवसान से पूर्व आक्षेप और सुझाव आमंत्रित किए गए थे ;

और उक्त अधिसूचना को अंतर्विष्ट करने वाले राजपत्र की प्रतियां, जनता को 23 फरवरी, 2024 को उपलब्ध करा दी गई थीं ;

और उक्त प्रारूप नियमों की बाबत जनता से प्राप्त आक्षेपों और सुझावों पर केन्द्रीय सरकार द्वारा सम्यक्तः विचार कर लिया गया है ;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार केन्द्रीय मोटर यान अधिनियम, 1988 (1988 का 59) की धारा 110 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 का और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाती है, अर्थात् :-

1. संक्षिप्त नाम और प्रारंभ.- (1) इन नियमों का संक्षिप्त नाम केन्द्रीय मोटर यान (नवाँ संशोधन) नियम, 2024 है।

(2) इन नियमों में अन्यथा उपबंधित के सिवाय, ये नियम राजपत्र में उनके प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. केन्द्रीय मोटर यान नियम, 1989 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 115ग में,-

(i) उपनियम 5 में,-

(क) खंड(ग) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:-

“(ग) तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) किटों के साथ पुनःसंयोजित यानों के लिए किस्म अनुमोदन ऐसा अनुमोदन जारी करने की तारीख से छः वर्ष के लिए विधिमान्य होगा और इसका एक समय पर प्रत्येक छः वर्ष के लिए नवीकरण किया जाएगा।”;

(ख) खंड (घ) के स्थान पर निम्नलिखित खंड रखा जाएगा, अर्थात्:-

“(घ) तरलीकृत पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) प्रचालन से पुनःसंयोजित या उपांतरित यानों के लिए किस्म अनुमोदन विशिष्ट मेक के यानों के लिए दिया जाएगा और ऐसे किट को किसी यान में नीचे दिए गए परीक्षणों के लागू होने के साथ विशिष्ट ईजन क्षमता के रेंज में पुनःसंयोजन के लिए ठीक माना जाएगा :-

क्रम सं.	ईजन क्षमता	उपनियम (5) के खंड (क) के अधीन सारणी के अनुसार लागू परीक्षण
1.	1200सीसी से कम	वृहत उत्सर्जन और CO ₂
2.	1201 से 1600 सीसी	वृहत उत्सर्जन और CO ₂
3.	1601 से 2000 सीसी	वृहत उत्सर्जन और CO ₂
4.	2001 से 2500सीसी	वृहत उत्सर्जन और CO ₂
5.	2501 और उससे अधिक	वृहत उत्सर्जन और CO ₂ ”

(ग) खंड (झ) के पश्चात् निम्नलिखित खंड अंतःस्थापित किया जाएगा, अर्थात् :-

“(ज) विद्यमान अनुमोदन को पुनर्विधिमान्यकरण अनुदत्त करने के प्रयोजन के लिए खंड (घ) में यथा लागू परीक्षणों के साथ, नीचे दी गई सारणी के अनुसार परीक्षण किए जाएंगे :-

क्रम संख्या	लागू परीक्षण	निर्देश दस्तावेज
1.	वृहत उत्सर्जन परीक्षण (किस्म 1 परीक्षण)	1. सीएमवी नियम 115(18) (i), 115 (19), 115(20) या 115 (22) जैसा कि लागू हों एमओआरटीएच/सीएमवीआर/टीएपी115/116 भाग 14, अध्याय-14, अनुबंध 3 2. एआईएस-137
2.	ओनबोर्ड निदान	
3.	सेवा के दौरान अनुकूलता और आईयूपीऔर (सेवा के दौरान कार्य निष्पादन अनुपात)	
4.	CO ₂ उत्सर्जन	CO ₂ को मापा जाएगा और रिपोर्ट किया जाएगा”

3. उक्त नियमों के, नियम 115ख के, उपनियम क के, खंड (III) के उपखंड (ग), के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, अर्थात् :-

“(ग) संपीडित प्राकृतिक गैस (सीएनजी) किट के साथ पुनःसंयोजित यानों के लिए किस्म अनुमोदन ऐसा अनुमोदन जारी करने की तारीख से छः वर्ष के लिए विधिमान्य होगा और इसका एक समय पर प्रत्येक छः वर्ष के लिए नवीकरण किया जाएगा।”।

[सं. आरटी-11036/60/2021-एमवीएल]

महमूद अहमद, अपर सचिव

टिप्पणः - मूल नियम भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खंड 3, उपखंड (i) में अधिसूचना सं. सा.का.नि. 590(अ), तारीख 2 जून, 1989 द्वारा प्रकाशित किए गए थे और अंतिम संशोधन सा.का.नि. सं. 354(अ), तारीख 26 जून, 2024 द्वारा किया गया।

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

NOTIFICATION

New Delhi, the 15th July, 2024

G.S.R.407(E).—Whereas, the draft rules to amend the Central Motor Vehicles Rules, 1989, were published, as required by sub-section (1) of section 212 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), *vide* notification of the Government of India in the Ministry of Road Transport and Highways number G.S.R. 126(E), dated the 22nd February, 2024, in the Gazette of India, Extraordinary, Part-II, Section 3, Sub-section (i), inviting objections and suggestions from all persons likely to be affected thereby before the expiry of the period of thirty days from the date on which copies of the official Gazette containing the said notification were made available to the public;

And whereas, copies of the said Gazette containing the said notification were made available to the public on the 23rd February, 2024;

And whereas, objections and suggestions received from the public in respect of the said draft rules have been duly considered by the Central Government;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 110 of the Motor Vehicles Act, 1988 (59 of 1988), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Central Motor Vehicles Rules, 1989, namely:-

1. Short title and commencement.- (1) These rules may be called the Central Motor Vehicles (Ninth Amendment) Rules, 2024.

(2) Save as otherwise provided in these rules, they shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the Central Motor Vehicles Rules, 1989 (herein after referred as the said rules), in rule 115C,-

(i) in sub-rule 5,-

(a) for clause (c), the following clause shall be substituted, namely:-

“(c) Type approval for vehicles retrofitted with Liquefied Petroleum Gas (LPG) kits shall be valid for six years from the date of issue of such approval and shall be renewed for every six years at a time.”;

(b) for clause (d), the following clause shall be substituted, namely:-

“(d) Type approval for vehicles retrofitted or modified for Liquefied Petroleum Gas (LPG) operation shall be given for vehicles of specific make and such kit shall be considered fit for retrofitment in any vehicle within a specified range of engine capacity with the applicability of tests as mentioned below:-

S. No.	Engine Capacity	Test applicable as per table under sub rule (5) clause(a)
1.	Less than 1200 cc	Mass emission and CO ₂ emission
2.	1201 to 1600 cc	Mass emission and CO ₂ emission
3.	1601 to 2000 cc	Mass emission and CO ₂ emission
4.	2001 to 2500 cc	Mass emission and CO ₂ emission
5.	2501 and above	Mass emission and CO ₂ emission”

(c) after clause (i), the following clause shall be inserted, namely:-

“(j) For the purpose of granting revalidation for the existing approval, performance tests shall be carried out as per the table below, along with tests as applicable in clause (d): -

S. No.	Applicable Test	Reference Document
1.	Mass emission test (Type I test)	1.CMV Rule 115 (18)(i),115 (19),115 (20) or 115 (22) as applicable MoRTH/CMVR/TAP115/116 Part XIV Chapter 14 Annexure 3
2.	On-Board diagnosis	
3.	In-service conformity and IUPR (In-use performance ratio)	2.AIS-137
4.	CO ₂ emission	CO2 to be measured and reported”

3. In the said rules, in rule 115B, in sub-rule A, in clause (III) for sub-clause (c), the following shall be substituted, namely:-

“(c) Type approval for vehicles retrofitted with Compressed Natural Gas (CNG) kits shall be valid for six years from the date of issue of such approval and shall be renewed for every six years at a time.”.

[No. RT-11036/60/2021-MVL]

MAHMOOD AHMED, Addl. Secy.

Note.- The principal rules were published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) *vide* notification number G.S.R. 590(E), dated the 2nd June, 1989 and last amended *vide* notification number G.S.R. 354(E) dated the 26th June, 2024.